



# आंगनबाडी केन्द्र

- बच्चों को सामाजिक विकास के लिए अपना जगह
- शिक्षण की समर्थनीयता - बच्चों ने अपनी विद्या की अपेक्षा
- विकास की अपेक्षा
- बच्चों की सुनवा करें



आंगनबाड़ी  
केन्द्र  
सभी बच्चों  
के लिए



**आंगनवाड़ी** भारत में ग्रामीण माँ और बच्चों के देखभाल केंद्र है। बच्चों के भूख और कुपोषण से निपटने के लिए एकीकृत बाल विकास सेवा कार्यक्रम के भाग के रूप में, 1975 में उन्हें भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था। आंगनवाड़ी का अर्थ है "आंगन आश्रय"।

इस प्रकार का आंगनवाड़ी केंद्र भारतीय गांवों में बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है। यह भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक हिस्सा है। मूल स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों में गर्भनिरोधक परामर्श और आपूर्ति, पोषण शिक्षा और अनुपूरक, साथ ही पूर्व-विद्यालय की गतिविधियों शामिल हैं। [1] केंद्रों को मौखिक रीहाइड्रेशन नमक, बुनियादी दवाओं और गर्भ निरोधकों के लिए डिपो के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

31 जनवरी 2013 तक 13.3 लाख (एक लाख 100,000) आंगनवाड़ी और मिनी आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी / मिनी-एडब्ल्यूसी) 13.7 लाख स्वीकृत एडब्ल्यूसी / मिनी-एडब्ल्यूसी से परिचालित हैं। ये केंद्र पूरक पोषण प्रदान करते हैं, गैर - पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा, प्रतिरक्षण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाओं की बाद में तीन सेवाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ मिलकर प्रदान की जाती हैं।

आंगनबाड़ी वर्कर और कार्यकर्ता हो के साथ सबसे बड़ी समस्या उनके मानदेय को लेकर है जो वर्कर सरकार नजरिये से मात्र कुछ घंटे ही कार्य करती है हकीकत में वो 10 घंटे से भी ज्यादा कार्य करती है केंद्र व राज्य सरकार आंगनबाड़ी को किसी भी श्रेणी में नहीं मानती मानदेय के नाम पर मात्र 1500 रुपये माह देती है उसका भुगतान का भी कोई समय निश्चित नहीं है आंगनबाड़ी वर्कर की आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय है

## ^ मानयोदय में बढ़ोतरी



केंद्र सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलने वाले मानदेय में अभूतपूर्व बढ़ोतरी की गई है। जिन्हें पहले 3,000 रुपए मिलते थे अब उन्हें 4,500 रुपए मिलेंगे, जिन्हें 2,250 रुपए मिलते थे उन्हें अब 3,500 रुपए मिलेंगे। आंगनबाड़ी सहायिकाओं को भी अब 1,500 रुपए की जगह 2,250 रुपए मिलेंगे।<sup>[2]</sup>

## ^ नियुक्तियां



कार्यकर्ता और सहायिका की नियुक्तियां देश भर में समय समय पर सीधे तोर पर राज्य सरकारों के माध्यम से **महिला बाल विकास विभाग** द्वारा की जाती है। इस विभाग में निकलने वाली रिक्तियों की नियुक्तियां के लिए आम तो पर ऑनलाइन फार्म निकले जाते हैं और लगभग सभी **डब्लू. सी. डी. की रिक्तियों**<sup>[3]</sup> को प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से पूरा किया जाता है।

# ^ कार्यकर्ता कार्य



आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (ए डब्ल्यू डब्ल्यू) की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वे गर्भवती महिलाओं के लिए जन्मपूर्व और प्रसवपूर्व देखभाल सुनिश्चित करते हैं और नवजात शिशुओं और नर्सिंग माताओं के लिए तुरंत निदान और देखभाल करते हैं। वे 6 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों के टीकाकरण का प्रबंध करते हैं।

इसके अलावा वे 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए पूरक पोषण के वितरण के साथ-साथ गर्भवती और नर्सिंग महिलाओं की निगरानी भी करते हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए नियमित स्वास्थ्य और चिकित्सा जांच की निगरानी उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में से एक है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अक्सर एक शिक्षक की भूमिका निभाते हैं और 3 से 5 साल के बीच के बच्चों को पूर्व-स्कूल शिक्षा प्रदान करना है।

## ^ कार्यकर्ता की जिम्मेदारियां



महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (एडब्ल्यूडब्ल्यू) की जिम्मेदारियों के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। इन में शामिल है, इस कार्यक्रम को निष्पादित करने, सभी परिवारों के नियमित रूप से त्वरित सर्वेक्षण करने, पूर्व-स्कूल की गतिविधियों का आयोजन करने, बच्चों को विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं को स्तनपान कराने के लिए स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा प्रदान करने, आदि को बढ़ावा देने के लिए, परिवार नियोजन, बच्चे के विकास और विकास के बारे में माता-पिता को शिक्षित करना, **किशोरी शक्ति योजना** (केएसवाई) के क्रियान्वयन और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों आदि के आयोजन द्वारा किशोर लड़कियां और माता-पिता को शिक्षित करने में सहायता करना, बच्चों में विकलांगों की पहचान करना मुख्य

## ^ पर्यवेक्षण



प्रत्येक 40 से 65 आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की निगरानी एक मुख्य सेविका द्वारा की जाती है। वे नौकरी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ज़िम्मेदारियां करने के अलावा, उनके पास अन्य कर्तव्यों जैसे कि कम आर्थिक स्थिति से कार्यक्रम से लाभान्वित होने का ट्रैक रखने के लिए विशेष रूप से कुपोषित वर्ग से संबंधित हैं; आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उम्र और बच्चों के वजन का आकलन करने और उनके वजन की साजिश रचने के लिए मार्गदर्शन करना; प्रभावी तरीकों का प्रदर्शन, उदाहरण के लिए, माताओं को स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा प्रदान करने में; और क्या सुधार किया जा सकता है यह निर्धारित करने के लिए आँगनवाड़ी और श्रमिकों के आंकड़ों को बनाए रखें। मुख्य सेविका तब बाल विकास परियोजनाओं के अधिकारी

# ^ उपयोगिता



चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञ दुर्भाग्य से भारत में कुशल पेशेवरों की कमी है इसलिए, आंगनवाड़ी प्रणाली के माध्यम से, देश, बढ़ी स्वास्थ्य सुविधाओं के अपने लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश कर रहा है जो स्थानीय जनसंख्या के लिए सस्ती और सुलभ हैं।

कई तरह से ग्रामीण आबादी तक पहुंचने में एक चिकित्सक की तुलना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बेहतर विकल्प है। चूंकि कार्यकर्ता लोगों के साथ रहता है, इसलिए वे स्वास्थ्य समस्याओं के कारणों की पहचान करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं और इसलिए उन्हें प्रतिबन्ध करते हैं। उनके क्षेत्र में स्वास्थ्य स्थिति की उनकी बहुत अच्छी जानकारी है दूसरी बात यह है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पेशेवरों के रूप में कुशल या योग्य नहीं हैं, इसलिए उनके पास बेहतर सामाजिक कौशल हैं जिससे लोगों के साथ बातचीत करना आसान हो जाता है। [ उद्धरण वांछित ] इसके अलावा, क्योंकि ये कार्यकर्ता गांव से हैं, वे भरोसेमंद हैं जो लोगों के लिए उनकी मदद करना आसान बनाता है। आखिरी लेकिन कम से कम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लोगों के तरीकों से अच्छी

पूरा करने की कोशिश कर रहा है जो स्थानीय जनसंख्या के लिए सस्ती और सुलभ हैं।

कई तरह से ग्रामीण आबादी तक पहुंचने में एक चिकित्सक की तुलना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बेहतर विकल्प है। चूंकि कार्यकर्ता लोगों के साथ रहता है, इसलिए वे स्वास्थ्य समस्याओं के कारणों की पहचान करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं और इसलिए उन्हें प्रतिबन्ध करते हैं। उनके क्षेत्र में स्वास्थ्य स्थिति की उनकी बहुत अच्छी जानकारी है दूसरी बात यह है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पेशेवरों के रूप में कुशल या योग्य नहीं हैं, इसलिए उनके पास बेहतर सामाजिक कौशल हैं जिससे लोगों के साथ बातचीत करना आसान हो जाता है। [ उद्धरण वांछित ] इसके अलावा, क्योंकि ये कार्यकर्ता गांव से हैं, वे भरोसेमंद हैं जो लोगों के लिए उनकी मदद करना आसान बनाता है। आखिरी लेकिन कम से कम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लोगों के तरीकों से अच्छी तरह जानते हैं, भाषा के साथ सहज महसूस करते हैं, ग्रामीण लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। यह उनके लिए लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं को समझने और सुनिश्चित करने के लिए बहुत आसान है। कि वे हल कर रहे हैं

# ^ चुनौतियां



आंगनवाड़ी को सार्वभौमिक रूप से सभी पात्र बच्चों और मां को उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक नीतिगत चर्चा हुई है। इसके लिए बजटीय आवंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि की आवश्यकता होगी और आंगनवाड़ी केंद्रों में 16 लाख से ज्यादा की वृद्धि होगी।

आंगनवाड़ी के अधिकारियों और उनके सहायकों द्वारा कार्यरत हैं, जो आमतौर पर गरीब परिवारों से महिलाएं हैं अन्य सरकारी कर्मचारियों जैसे कर्मचारियों को व्यापक सेवानिवृत्ति के लाभ के साथ स्थायी नौकरियां नहीं हैं कार्यकर्ता विरोध (अखिल भारतीय आंगनवाड़ी श्रमिक संघ द्वारा) और इस विषय पर सार्वजनिक बहस चल रहे हैं। कुछ आंगनवाड़ी केंद्रों में महिलाओं के खिलाफ भ्रष्टाचार और अपराधों की आवधिक रिपोर्टें हैं। जब आंगनवाड़ी-सेवारत बच्चों में बीमार हो या मर जाते हैं तो कानूनी और सामाजिक समस्याएं हैं

2008-2009 के बजट की घोषणा करते हुए, भारतीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए 1500 रुपये प्रति माह और सहायक प्रति माह 750 रुपये वेतन बढ़ाया जाएगा। मार्च 2008 में इस बात पर बहस हुई कि क्या पैक किए गए खाद्य पदार्थ (जैसे कि बिस्कुट) को भोजन की सेवा का हिस्सा बन जाना चाहिए। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन सहित विरोधियों ने यह कहते हुए असहमत व्यक्त किया कि यह बच्चों द्वारा खाया जाने वाला एकमात्र भोजन होगा। निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी बढ़ाने के लिए विकल्प जारी रहे हैं।

एक प्रमुख पहल में, केंद्र उत्तर प्रदेश में 27 सबसे पिछड़े जिलों के साथ शुरू होने वाले आंगनवाड़ी के काम को डिजिटाइज़ करने के लिए तैयार है: बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश। स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एकीकृत आंकड़ों को रिकॉर्ड करने के लिए आँगनवाड़ी को टैबलेट कंप्यूटर से उपलब्ध कराया जाएगा जो इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट स्कीम (आईसीडीएस) के तहत टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और पोषण शिक्षा में शामिल है।

एकीकृत बाल विकास सेवा (भारत) योजना में एडब्ल्यूसी भवनों के निर्माण के लिए कोई प्रावधान नहीं था क्योंकि यह पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर समुदाय द्वारा प्रदान किए जाने पर विचार किया गया था। उनके लिए, 1992 के एक यूनिट लागत पर 2001-02 से एआरडब्ल्यूसी भवनों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी।

आईसीडीएस योजना को सुदृढ़ बनाने और पुनर्गठन के एक भाग के रूप में, सरकार ने रुपये की लागत से 200,000 आंगनवाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण का प्रावधान किया। बारहवीं योजना अवधि के दौरान प्रति यूनिट 450,000 प्रति यूनिट के बीच केंद्र और राज्यों के बीच 75:25 के लागत साझेदारी अनुपात के साथ (एनईआर के अलावा, जहां यह 90:10 पर होगा)।

इसके अलावा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत एडब्ल्यूसी का निर्माण एक अनुज्ञेय गतिविधि के रूप में अधिसूचित किया गया है। मनरेगा के साथ अभिसरण में एडब्ल्यूसी भवनों का निर्माण किया जा सकता है [5]